□□□□–I : □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□य

(i) भारतीय ज्ञान प्रणाली का अर्थ एवं क्षेत्र

1. भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) मुख्य रूप से किससे संबंधित है?
A. पाश्चात्य वैज्ञानिक परंपरा
B. प्राचीन एवं शास्त्रीय भारतीय बौद्धिक परंपराएँ
C. आधुनिक यूरोपीय दर्शन
D. औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली
उत्तर: B

2. IKS का क्षेत्र शामिल करता है:
A. केवल धार्मिक ग्रंथ
B. केवल दर्शन
C. विज्ञान, कला, साहित्य, शासन, पारिस्थितिकी एवं अध्यात्म
D. केवल पौराणिक कथाएँ
उत्तर: C

3. निम्न में से कौन IKS का भाग है?
A. आयुर्वेद
B. कृत्रिम बुद्धिमत्ता
C. रॉकेट विज्ञान
D. आधुनिक रोबोटिक्स
उत्तर: A

4. IKS का ज्ञान स्वरूप है:
A. खंडित
B. समग्र एवं एकीकृत
C. सीमित
D. केवल सैद्धांतिक
उत्तर: B

5. भारतीय ज्ञान प्रणाली को सबसे उचित रूप में कहा जा सकता है:
A. स्थिर एवं कठोर
B. मौखिक एवं लिखित परंपरा आधारित
C. औपनिवेशिक

globalcodemaster.com

D. औद्योगिक क्रांति आधारित
उत्तर: B

6. निम्न में से कौन पारंपरिक IKS का भाग नहीं है?
A. योग
B. खगोलशास्त्र
C. कॉर्पोरेट बैंकिंग
D. व्याकरण
उत्तर: C

7. IKS किसके बीच सामंजस्य स्थापित करता है?
A. मानव और मशीन
B. मानव और प्रकृति
C. सरकार और नागरिक
D. उद्योग और व्यापार
उत्तर: B

8. IKS की जड़ें किसमें निहित हैं?
A. भौतिकवाद
B. आध्यात्मिक एवं अनुभवजन्य ज्ञान
C. औद्योगीकरण
D. पूंजीवाद
उत्तर: B

9. IKS एकीकृत करता है:
A. विज्ञान और अध्यात्म
B. केवल राजनीति
C. केवल व्यापार
D. औद्योगिक अर्थव्यवस्था
उत्तर: A

10. IKS का संरक्षण हुआ:
A. केवल छापाखाना द्वारा
B. केवल विश्वविद्यालयों द्वारा
C. मौखिक एवं लिखित परंपराओं द्वारा
D. इंटरनेट द्वारा
उत्तर: C

---

globalcodemaster.com

(ii) भारतवर्ष : विशिष्ट भौगोलिक, पारिस्थितिक एवं सांस्कृतिक विशेषताएँ

11. भारत का प्राचीन नाम है:
A. आर्यावर्त
B. भारतवर्ष
C. हिंदुस्तान
D. जंबूद्वीप
उत्तर: B

12. भारतवर्ष की विशेषता है:
A. केवल मरुस्थल
B. एक ही जलवायु
C. विविध भौगोलिक स्वरूप
D. नदियों का अभाव
उत्तर: C

13. हिमालय पर्वत ने प्रदान किया:
A. खनिज तेल
B. प्राकृतिक सुरक्षा
C. समुद्री बंदरगाह
D. मरुस्थलीय जलवायु
उत्तर: B

14. भारतीय उपमहाद्वीप घिरा हुआ है:
A. केवल पर्वतों से
B. केवल मरुस्थलों से
C. तीन ओर समुद्र से
D. केवल वनों से
उत्तर: C

15. भारत की पारिस्थितिक विविधता में शामिल हैं:
A. केवल टुंड्रा
B. केवल मरुस्थल
C. वन, पर्वत, नदियाँ, मैदान, तट
D. ध्रुवीय क्षेत्र
उत्तर: C

16. भारत की सांस्कृतिक विविधता में है:
A. एक भाषा

globalcodemaster.com

B. एक परंपरा
C. अनेक भाषाएँ एवं परंपराएँ
D. कोई परंपरा नहीं
उत्तर: C

17. मानसून प्रणाली से होता है:
A. केवल हिमपात
B. कृषि समृद्धि
C. मरुस्थलीकरण
D. ज्वालामुखी विस्फोट
उत्तर: B

18. भौगोलिक एकता ने बढ़ावा दिया:
A. सांस्कृतिक आदान-प्रदान
B. आंतरिक अलगाव
C. परंपराओं का लोप
D. आर्थिक गिरावट
उत्तर: A

19. भारत की नदियों को माना जाता है:
A. केवल जल स्रोत
B. पवित्र एवं जीवनदायिनी
C. औद्योगिक अपशिष्ट मार्ग
D. राजनीतिक सीमा
उत्तर: B

20. गंगा-समतल क्षेत्र प्रसिद्ध है:
A. भारी उद्योगों के लिए
B. कृषि के लिए
C. खनन के लिए
D. मरुस्थलीय अर्थव्यवस्था
उत्तर: B

(iii) नदियों, ऋतुओं, जैव विविधता, खनिज एवं सामाजिक समृद्धि का महत्व

21. भारतीय परंपरा में नदियाँ प्रतीक हैं:
A. विनाश

globalcodemaster.com

B. जीवन एवं पवित्रता
C. प्रदूषण
D. संघर्ष
उत्तर: B

22. छह ऋतुएँ दर्शाती हैं:
A. जलवायु एकरूपता
B. समय का चक्रीय दृष्टिकोण
C. औद्योगिक कैलेंडर
D. ग्रहण
उत्तर: B

23. जैव विविधता का मुख्य लाभ है:
A. पारिस्थितिक संतुलन
B. प्रदूषण
C. जलवायु परिवर्तन
D. मरुस्थलीकरण
उत्तर: A

24. आयुर्वेद जैव विविधता का उपयोग करता है:
A. औद्योगिक उपयोग
B. औषधीय उद्देश्य
C. सैन्य उद्देश्य
D. परिवहन
उत्तर: B

25. ऋतु चक्र का प्रभाव पड़ता है:
A. कृषि एवं त्योहारों पर
B. इंटरनेट पर
C. बैंकिंग पर
D. सैन्य गतिविधियों पर
उत्तर: A

26. खनिजों ने सहयोग दिया:
A. धातुकर्म एवं शिल्प में
B. सॉफ्टवेयर में
C. डिजिटल मुद्रा में
D. ऑनलाइन व्यापार में
उत्तर: A

globalcodemaster.com

27. गंगा जैसी नदियाँ सहायक हैं:
A. केवल धार्मिक कार्यों में
B. कृषि एवं बसावट में
C. मरुस्थलीय जीवन में
D. ज्वालामुखीय क्षेत्र में
उत्तर: B

28. भारतीय कृषि आधारित थी:
A. ऋतु चक्र पर
B. औद्योगिक चक्र पर
C. विदेशी आयात पर
D. कृत्रिम प्रकाश पर
उत्तर: A

29. भारत की जैव विविधता महत्वपूर्ण है क्योंकि:
A. एकल फसल
B. विविध पारिस्थितिक तंत्र
C. मरुस्थल प्रभुत्व
D. एकरूप खेती
उत्तर: B

30. सामाजिक समृद्धि जुड़ी है:
A. प्रकृति के शोषण से
B. सतत जीवन शैली से
C. प्रदूषण से
D. उपभोक्तावाद से
उत्तर: B

(iv) भौगोलिक अलगाव एवं सभ्यतागत विशिष्टता

31. हिमालय ने योगदान दिया:
A. सांस्कृतिक विघटन
B. बाहरी आक्रमणों से सुरक्षा
C. मरुस्थल विस्तार
D. केवल व्यापार
उत्तर: B

32. समुद्रों ने सहायता की:
A. पूर्ण अलगाव

globalcodemaster.com

B. व्यापार एवं सांस्कृतिक संपर्क
C. भूकंप
D. मरुस्थलीकरण
उत्तर: B

33. भारतीय सभ्यता की निरंतरता का कारण है:
A. बार-बार टूटन
B. सुदृढ़ ज्ञान परंपरा
C. औपनिवेशिक शासन
D. औद्योगिक क्रांति
उत्तर: B

34. भौगोलिक विविधता ने विकसित किया:
A. स्थानीय संस्कृतियाँ
B. एकरूप संस्कृति
C. सांस्कृतिक विनाश
D. आर्थिक अलगाव
उत्तर: A

35. "विविधता में एकता" की जड़ें हैं:
A. औद्योगीकरण
B. सभ्यतागत अनुभव
C. औपनिवेशिक नीति
D. वैश्वीकरण
उत्तर: B

36. भारत की सांस्कृतिक विशिष्टता बनी रही:
A. अलगाव एवं निरंतरता के कारण
B. व्यापार के अभाव से
C. नदियों के अभाव से
D. पर्वतों के अभाव से
उत्तर: A

37. समुद्री व्यापार जुड़ा था:
A. अफ्रीका एवं दक्षिण-पूर्व एशिया से
B. अंटार्कटिका से
C. आर्कटिक से
D. केवल यूरोप से
उत्तर: A

globalcodemaster.com

38. भारतीय सभ्यता मानी जाती है:
A. नवीनतम
B. प्राचीनतम निरंतर सभ्यता
C. अल्पकालिक
D. औद्योगिक सभ्यता
उत्तर: B

39. भौगोलिक अवरोधों ने संरक्षित किया:
A. पारिस्थितिक विनाश
B. सांस्कृतिक परंपराएँ
C. औद्योगीकरण
D. उपनिवेशवाद
उत्तर: B

40. विविध भौगोलिक स्वरूप से विकसित हुआ:
A. सांस्कृतिक एकरूपता
B. समृद्ध सांस्कृतिक अभिव्यक्ति
C. परंपरा का अभाव
D. आर्थिक गिरावट
उत्तर: B

(v) मौखिक एवं लिखित परंपरा द्वारा सांस्कृतिक निरंतरता

41. मौखिक परंपरा संरक्षित रही:
A. छापाखाना द्वारा
B. स्मरण एवं उच्चारण द्वारा
C. इंटरनेट द्वारा
D. टीवी द्वारा
उत्तर: B

42. वेदों का प्रसारण हुआ:
A. मुद्रित पुस्तक से
B. मौखिक परंपरा से
C. समाचार पत्र से
D. रेडियो से
उत्तर: B

43. गुरु-शिष्य परंपरा ने सुनिश्चित किया:
A. व्यावसायिक शिक्षा

globalcodemaster.com

B. ज्ञान की निरंतरता
C. राजनीतिक नियंत्रण
D. औद्योगिक प्रशिक्षण
उत्तर: B

44. रामायण एवं महाभारत थे:
A. केवल लिखित
B. मौखिक एवं लिखित दोनों
C. आधुनिक उपन्यास
D. औपनिवेशिक ग्रंथ
उत्तर: B

45. संस्कृत व्याकरण का व्यवस्थित रूप दिया:
A. आर्यभट्ट
B. पाणिनि
C. चाणक्य
D. चरक
उत्तर: B

46. मौखिक परंपरा का लाभ था:
A. ज्ञान हानि
B. शुद्ध संरक्षण
C. सांस्कृतिक पतन
D. शिक्षा का अभाव
उत्तर: B

47. लिखित परंपराओं में शामिल हैं:
A. श्रुति एवं स्मृति साहित्य
B. समाचार पत्र
C. औद्योगिक पुस्तिका
D. सॉफ्टवेयर दस्तावेज
उत्तर: A

48. भारतीय सांस्कृतिक निरंतरता फैली है:
A. कुछ शताब्दियों तक
B. हजारों वर्षों तक
C. 100 वर्षों तक
D. केवल मध्यकाल तक
उत्तर: B

globalcodemaster.com

49. कथा-वाचन परंपरा सहायक रही:
A. सांस्कृतिक हस्तांतरण में
B. औद्योगिक विकास में
C. राजनीतिक क्रांति में
D. मरुस्थलीकरण में
उत्तर: A

50. भारतीय ज्ञान प्रणाली की विशेषता है:
A. असंगति
B. औपनिवेशिक अनुकरण
C. सतत सांस्कृतिक विकास
D. तकनीकी अलगाव
उत्तर: C

UNIT II : □□□□□□ □□□□□□□□□□न

(i) वर्णमाला एवं ध्वनियों का वर्गीकरण

51. भारतीय वर्णमाला का आधार है:
A. अर्थ
B. ध्वनि
C. लिपि
D. व्याकरण नियम
उत्तर: B

52. संस्कृत वर्णमाला का वर्गीकरण किस आधार पर किया गया है?
A. वर्णों की लंबाई
B. उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न
C. अर्थ
D. लेखन शैली
उत्तर: B

53. क, ख, ग, घ किस वर्ग के व्यंजन हैं?
A. तालव्य
B. मूर्धन्य
C. कंठ्य
D. ओष्ठ्य
उत्तर: C

globalcodemaster.com

54. च वर्ग के वर्ण किस स्थान से उच्चरित होते हैं?
A. कंठ
B. तालु
C. मूर्धा
D. दंत
उत्तर: B

55. ट, ठ, ड, ढ किस वर्ग में आते हैं?
A. दंत्य
B. मूर्धन्य
C. तालव्य
D. ओष्ठ्य
उत्तर: B

56. त, थ, द, ध किस वर्ग के व्यंजन हैं?
A. दंत्य
B. कंठ्य
C. तालव्य
D. ओष्ठ्य
उत्तर: A

57. प, फ, ब, भ किस वर्ग में आते हैं?
A. तालव्य
B. मूर्धन्य
C. ओष्ठ्य
D. कंठ्य
उत्तर: C

58. स्वर कितने प्रकार के होते हैं?
A. एक
B. दो (ह्रस्व और दीर्घ)
C. तीन
D. चार
उत्तर: B

59. अनुस्वार और विसर्ग किस श्रेणी में आते हैं?
A. स्वर
B. व्यंजन
C. अयोगवाह
D. संयुक्ताक्षर
उत्तर: C

globalcodemaster.com

60. भारतीय ध्वनि विज्ञान की विशेषता है:
A. अवैज्ञानिक वर्गीकरण
B. वैज्ञानिक एवं क्रमबद्ध व्यवस्था
C. केवल लिखित आधार
D. विदेशी प्रभाव
उत्तर: B

(ii) व्याकरण, शिक्षा, निरुक्त एवं छंद का परिचय

61. 'व्याकरण' का मुख्य उद्देश्य है:
A. कविता लिखना
B. भाषा को शुद्ध एवं व्यवस्थित करना
C. कहानी कहना
D. अनुवाद करना
उत्तर: B

62. 'शिक्षा' वेदांग का संबंध है:
A. अर्थ से
B. ध्वनि एवं उच्चारण से
C. छंद से
D. व्युत्पत्ति से
उत्तर: B

63. 'निरुक्त' का संबंध है:
A. व्याकरण नियमों से
B. शब्दों की व्युत्पत्ति एवं अर्थ से
C. छंद से
D. लेखन शैली से
उत्तर: B

64. 'छंद' का संबंध है:
A. उच्चारण से
B. व्याकरण से
C. मात्राओं एवं लय से
D. व्युत्पत्ति से
उत्तर: C

65. वेदांगों की संख्या है:
A. चार

globalcodemaster.com

B. पाँच
C. छह
D. सात
उत्तर: C

66. शिक्षा वेदांग का उद्देश्य है:
A. शुद्ध उच्चारण
B. छंद रचना
C. अर्थ समझना
D. कथा लेखन
उत्तर: A

67. निरुक्त ग्रंथ के रचयिता माने जाते हैं:
A. पाणिनि
B. यास्क
C. पतंजलि
D. कात्यायन
उत्तर: B

68. छंद शास्त्र का प्रमुख ग्रंथ है:
A. अष्टाध्यायी
B. निरुक्त
C. छंदःसूत्र
D. महाभाष्य
उत्तर: C

69. व्याकरण वेदांग का महत्व है:
A. भाषा की संरचना को समझना
B. युद्ध कला
C. चिकित्सा
D. संगीत
उत्तर: A

70. शिक्षा वेदांग विशेष रूप से सहायक है:
A. वेदों के शुद्ध पाठ में
B. कविता लेखन में
C. व्यापार में
D. राजनीति में
उत्तर: A

globalcodemaster.com

(iii) पाणिनि एवं व्याकरण का उद्देश्य

71. अष्टाध्यायी के रचयिता हैं:
A. पतंजलि
B. पाणिनि
C. कात्यायन
D. यास्क
उत्तर: B

72. अष्टाध्यायी में सूत्रों की संख्या लगभग है:
A. 1000
B. 2000
C. 4000
D. 8000
उत्तर: C

73. पाणिनि का व्याकरण आधारित है:
A. कथा शैली पर
B. सूत्र पद्धति पर
C. कविता शैली पर
D. गद्य शैली पर
उत्तर: B

74. पाणिनि का मुख्य उद्देश्य था:
A. नई भाषा बनाना
B. संस्कृत भाषा का शुद्धीकरण और संरक्षण
C. विदेशी भाषा सिखाना
D. साहित्य लेखन
उत्तर: B

75. महाभाष्य के रचयिता हैं:
A. पाणिनि
B. पतंजलि
C. कात्यायन
D. यास्क
उत्तर: B

76. पाणिनि व्याकरण की विशेषता है:
A. जटिलता
B. वैज्ञानिकता एवं संक्षिप्तता
C. लंबा विवरण

globalcodemaster.com

D. कथा शैली
उत्तर: B

77. पाणिनि का व्याकरण विश्व में प्रसिद्ध है क्योंकि:
A. यह सबसे प्राचीन है
B. यह अत्यंत वैज्ञानिक है
C. यह सरल कहानी है
D. यह विदेशी है
उत्तर: B

78. कात्यायन ने लिखा:
A. वार्तिक
B. निरुक्त
C. छंद
D. वेद
उत्तर: A

79. पाणिनि का काल माना जाता है:
A. आधुनिक काल
B. वैदिक काल के बाद
C. औपनिवेशिक काल
D. मध्यकाल
उत्तर: B

80. पाणिनि का योगदान है:
A. गणित
B. चिकित्सा
C. भाषा विज्ञान
D. खगोल
उत्तर: C

(iv) वैदिक संहिताओं के संरक्षण में भाषा विज्ञान की भूमिका

81. वेदों का संरक्षण मुख्यतः हुआ:
A. लिखित पांडुलिपि से
B. मौखिक परंपरा से
C. इंटरनेट से
D. छापाखाना से
उत्तर: B

globalcodemaster.com

82. पदपाठ और क्रमपाठ का उद्देश्य था:
A. अर्थ समझना
B. शुद्ध उच्चारण और संरक्षण
C. अनुवाद करना
D. छंद बनाना
उत्तर: B

83. शिक्षा वेदांग ने सहायता की:
A. छंद निर्माण में
B. शुद्ध ध्वनि संरक्षण में
C. अर्थ व्याख्या में
D. कहानी लेखन में
उत्तर: B

84. व्याकरण ने संरक्षण किया:
A. अर्थ का
B. ध्वनि का
C. भाषा संरचना का
D. लिपि का
उत्तर: C

85. छंद शास्त्र सहायक है:
A. वेद मंत्रों की लय बनाए रखने में
B. चिकित्सा में
C. व्यापार में
D. युद्ध में
उत्तर: A

86. निरुक्त सहायक है:
A. व्याकरण में
B. अर्थ समझने में
C. छंद में
D. राजनीति में
उत्तर: B

87. वैदिक परंपरा में शुद्ध उच्चारण को माना गया:
A. गौण
B. अनावश्यक
C. अत्यंत महत्वपूर्ण
D. आधुनिक
उत्तर: C

globalcodemaster.com

88. वेद संरक्षण की विशेषता थी:
A. त्रुटिपूर्ण पद्धति
B. बहुस्तरीय पाठ प्रणाली
C. केवल लिखित रूप
D. विदेशी नियंत्रण
उत्तर: B

89. भाषा विज्ञान के कारण वेद रहे:
A. विकृत
B. सुरक्षित
C. लुप्त
D. अपूर्ण
उत्तर: B

90. वेद संरक्षण में गुरु-शिष्य परंपरा का योगदान था:
A. सीमित
B. अत्यधिक
C. नहीं के बराबर
D. आधुनिक
उत्तर: B

(v) नव्य-न्याय एवं नव्य-व्याकरण का विकास

91. नव्य-न्याय का प्रमुख विकास स्थल था:
A. काशी
B. नालंदा
C. मिथिला एवं नवद्वीप
D. तक्षशिला
उत्तर: C

92. नव्य-न्याय का संबंध है:
A. कविता से
B. तर्कशास्त्र से
C. चिकित्सा से
D. गणित से
उत्तर: B

93. नव्य-व्याकरण का विकास हुआ:
A. आधुनिक काल में

globalcodemaster.com

B. मध्यकाल में
C. वैदिक काल में
D. औपनिवेशिक काल में
उत्तर: B

94. नव्य-न्याय की विशेषता है:
A. सरल भाषा
B. सूक्ष्म तार्किक विश्लेषण
C. कथा शैली
D. काव्य शैली
उत्तर: B

95. गंगेश उपाध्याय का संबंध है:
A. नव्य-न्याय
B. छंद
C. निरुक्त
D. शिक्षा
उत्तर: A

96. नव्य-न्याय ग्रंथ 'तत्त्वचिंतामणि' के रचयिता हैं:
A. पाणिनि
B. गंगेश उपाध्याय
C. पतंजलि
D. कात्यायन
उत्तर: B

97. नव्य-व्याकरण का उद्देश्य था:
A. व्याकरण का सूक्ष्म विश्लेषण
B. नई भाषा बनाना
C. कविता लिखना
D. अनुवाद करना
उत्तर: A

98. नव्य-न्याय ने प्रभाव डाला:
A. दर्शन एवं तर्क पर
B. कृषि पर
C. चिकित्सा पर
D. उद्योग पर
उत्तर: A

globalcodemaster.com

99. नव्य-व्याकरण की परंपरा विकसित हुई:
A. बंगाल एवं मिथिला में
B. राजस्थान में
C. पंजाब में
D. गुजरात में
उत्तर: A

100. भारतीय भाषा विज्ञान की विशेषता है:
A. अवैज्ञानिकता
B. गहन विश्लेषणात्मक परंपरा
C. असंगति
D. सीमित विकास
उत्तर: B

UNIT III : □□□□□□ □□□त

(i) वेदों में संख्या, भिन्न एवं ज्यामिति

101. वेदों में गणितीय अवधारणाएँ मुख्यतः मिलती हैं:
A. संहिताओं में
B. ब्राह्मण ग्रंथों में
C. शुल्बसूत्रों में
D. उपनिषदों में
उत्तर: C

102. शुल्बसूत्र मुख्यतः संबंधित हैं:
A. बीजगणित
B. ज्यामिति
C. त्रिकोणमिति
D. सांख्यिकी
उत्तर: B

103. बड़े संख्याओं का प्रारंभिक उल्लेख मिलता है:
A. वैदिक साहित्य में
B. मध्यकालीन ग्रंथों में
C. औपनिवेशिक दस्तावेजों में
D. आधुनिक पुस्तकों में
उत्तर: A

globalcodemaster.com

104. 'शुल्ब' शब्द का अर्थ है:
A. सूत्र
B. संख्या
C. डोरी या रस्सी
D. वृत्त
उत्तर: C

105. वैदिक ज्यामिति का उपयोग मुख्यतः किया जाता था:
A. केवल खगोल विज्ञान में
B. यज्ञ वेदियों के निर्माण में
C. व्यापार में
D. बैंकिंग में
उत्तर: B

106. पाइथागोरस प्रमेय के समान सिद्धांत मिलता है:
A. अर्थशास्त्र में
B. शुल्बसूत्रों में
C. वेदों में
D. महाभारत में
उत्तर: B

107. प्राचीन भारत में भिन्न को कहा जाता था:
A. भाग
B. शून्य
C. रेखा
D. सूत्र
उत्तर: A

108. वैदिक गणित में शामिल है:
A. केवल जोड़
B. अंकगणित एवं ज्यामिति
C. केवल कलन
D. केवल बीजगणित
उत्तर: B

109. शुल्बसूत्रों में विधियाँ दी गई हैं:
A. समीकरण हल करने की
B. ज्यामितीय आकृतियों के निर्माण की
C. कविता लिखने की
D. चिकित्सा की
उत्तर: B

globalcodemaster.com

110. प्राचीन भारतीय ग्रंथों में उल्लेखित संख्याएँ पहुँचती हैं:
A. केवल हजार तक
B. केवल लाख तक
C. अरबों और उससे अधिक तक
D. केवल सैकड़ों तक
उत्तर: C

(ii) दशमलव स्थानमान पद्धति, शून्य एवं अनंत की अवधारणा

111. दशमलव स्थानमान पद्धति आधारित है:
A. आधार 2 पर
B. आधार 8 पर
C. आधार 10 पर
D. आधार 16 पर
उत्तर: C

112. शून्य का आविष्कार माना जाता है:
A. यूनानी गणितज्ञों का
B. रोमन विद्वानों का
C. भारतीय गणितज्ञों का
D. चीनी विद्वानों का
उत्तर: C

113. शून्य का संस्कृत शब्द है:
A. अनंत
B. शून्य
C. भाग
D. सूत्र
उत्तर: B

114. संस्कृत में अनंत को कहा जाता है:
A. शून्य
B. अनंत
C. पूर्ण
D. रेखा
उत्तर: B

115. स्थानमान पद्धति से संभव हुआ:
A. केवल छोटी संख्याओं का लेखन

globalcodemaster.com

B. बड़ी संख्याओं का सरल निरूपण
C. केवल भिन्न
D. रोमन अंक
उत्तर: B

116. शून्य का व्यवस्थित उपयोग सर्वप्रथम हुआ:
A. यूरोप में
B. अरब में
C. भारत में
D. चीन में
उत्तर: C

117. दशमलव पद्धति का प्रसार हुआ:
A. केवल एशिया में
B. अरबों के माध्यम से यूरोप में
C. केवल अफ्रीका में
D. सीधे अमेरिका में
उत्तर: B

118. शून्य के बिना कठिन है:
A. जोड़
B. स्थानमान लेखन
C. गिनती
D. घटाव
उत्तर: B

119. भारतीय गणित में अनंत का संबंध है:
A. दर्शन से
B. राजनीति से
C. व्यापार से
D. युद्ध से
उत्तर: A

120. दशमलव पद्धति को कहा जाता है:
A. द्विआधारी प्रणाली
B. हिंदू-अरबी अंक पद्धति
C. रोमन प्रणाली
D. यूनानी प्रणाली
उत्तर: B

globalcodemaster.com

(iii) शुल्बसूत्र एवं मूल निर्माण

121. शुल्बसूत्र संबंधित हैं:
A. वेदांग से
B. उपनिषद से
C. पुराण से
D. महाकाव्य से
उत्तर: A

122. शुल्बसूत्रों के रचयिता में प्रमुख हैं:
A. आर्यभट्ट
B. बौधायन
C. रामानुजन
D. भास्कर
उत्तर: B

123. शुल्बसूत्र वर्णन करते हैं:
A. बीजगणितीय समीकरण
B. ज्यामितीय निर्माण
C. त्रिकोणमितीय सारणी
D. कलन
उत्तर: B

124. बौधायन शुल्बसूत्र में मिलता है:
A. गुरुत्वाकर्षण का नियम
B. पाइथागोरस प्रमेय
C. गति का नियम
D. परावर्तन का नियम
उत्तर: B

125. यज्ञ वेदियाँ बनाई जाती थीं:
A. वर्ग एवं आयताकार
B. केवल वृत्ताकार
C. केवल त्रिकोण
D. केवल षट्भुज
उत्तर: A

126. शुल्बसूत्र में √2 का सन्निकटन दिया गया है।
A. सही
B. गलत

globalcodemaster.com

C. आंशिक
D. नहीं बताया
उत्तर: A

127. रस्सी ज्यामिति (Rope Geometry) संबंधित है:
A. बीजगणित से
B. शुल्ब विधि से
C. कलन से
D. सांख्यिकी से
उत्तर: B

128. शुल्ब ज्यामिति व्यावहारिक थी क्योंकि उपयोग होती थी:
A. अनुष्ठान निर्माण में
B. व्यापार में
C. खगोल में
D. युद्ध में
उत्तर: A

129. 'सूत्र' का अर्थ है:
A. डोरी या संक्षिप्त वाक्य
B. संख्या
C. वृत्त
D. व्यापार नियम
उत्तर: A

130. शुल्बसूत्र दर्शाते हैं प्रारंभिक ज्ञान:
A. त्रिकोणमिति
B. ज्यामिति
C. सांख्यिकी
D. प्रायिकता
उत्तर: B

(iv) आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, माधव एवं केरल स्कूल का योगदान

131. आर्यभट्ट का प्रसिद्ध ग्रंथ है:
A. आर्यभटीय
B. लीलावती
C. तत्त्वचिंतामणि

globalcodemaster.com

D. शुल्बसूत्र
उत्तर: A

132. आर्यभट्ट ने प्रतिपादित किया कि पृथ्वी:
A. समतल है
B. अपनी धुरी पर घूमती है
C. स्थिर है
D. खोखली है
उत्तर: B

133. भास्कराचार्य ने लिखा:
A. आर्यभटीय
B. लीलावती
C. वेद
D. शुल्बसूत्र
उत्तर: B

134. माधव संगमग्राम के संबंधित हैं:
A. कलन से
B. केवल ज्यामिति से
C. सांख्यिकी से
D. केवल अंकगणित से
उत्तर: A

135. केरल स्कूल प्रसिद्ध है:
A. अनंत श्रेणियों के लिए
B. रोमन अंकों के लिए
C. द्विआधारी प्रणाली के लिए
D. यूनानी ज्यामिति के लिए
उत्तर: A

136. भास्कराचार्य का योगदान है:
A. बीजगणित एवं खगोलशास्त्र
B. चिकित्सा
C. राजनीति
D. व्यापार
उत्तर: A

137. आर्यभट्ट ने π (पाई) का मान निकाला।
A. सही
B. गलत

globalcodemaster.com

C. आंशिक
D. अज्ञात
उत्तर: A

138. केरल स्कूल का विकास हुआ:
A. प्राचीन काल में
B. मध्यकाल में
C. औपनिवेशिक काल में
D. आधुनिक काल में
उत्तर: B

139. माधव के कार्यों में पूर्वाभास मिलता है:
A. अवकल कलन का
B. सांख्यिकी का
C. केवल ज्यामिति का
D. केवल अंकगणित का
उत्तर: A

140. केरल स्कूल ने प्रगति की:
A. गणित एवं खगोलशास्त्र में
B. चिकित्सा में
C. कृषि में
D. व्यापार में
उत्तर: A

(v) रामानुजन की विरासत

141. श्रीनिवास रामानुजन थे:
A. भौतिक विज्ञानी
B. गणितज्ञ
C. खगोलशास्त्री
D. अभियंता
उत्तर: B

142. रामानुजन ने सहयोग किया:
A. न्यूटन के साथ
B. हार्डी के साथ
C. आइंस्टीन के साथ

globalcodemaster.com

D. ऑयलर के साथ
उत्तर: B

143. रामानुजन का प्रमुख योगदान है:
A. संख्या सिद्धांत
B. रसायन विज्ञान
C. जीवविज्ञान
D. राजनीति
उत्तर: A

144. रामानुजन के कार्यों में शामिल हैं:
A. अनंत श्रेणियाँ
B. चिकित्सा अनुसंधान
C. व्यापार नियम
D. व्याकरण
उत्तर: A

145. रामानुजन की नोटबुक में थे:
A. प्रयोगात्मक आँकड़े
B. प्रमेय एवं सूत्र
C. राजनीतिक भाषण
D. कविताएँ
उत्तर: B

146. रामानुजन चुने गए थे:
A. रॉयल सोसाइटी के फेलो
B. संसद सदस्य
C. संयुक्त राष्ट्र परिषद सदस्य
D. नासा वैज्ञानिक
उत्तर: A

147. रामानुजन के कार्यों ने प्रभावित किया:
A. आधुनिक गणित
B. चिकित्सा
C. कृषि
D. राजनीति
उत्तर: A

148. संख्या 1729 कहलाती है:
A. अभाज्य संख्या
B. हार्डी-रामानुजन संख्या

globalcodemaster.com

C. पूर्ण संख्या
D. सम संख्या
उत्तर: B

149. रामानुजन की गणितीय शैली थी:
A. प्रयोगात्मक
B. अत्यंत अंतर्ज्ञानी
C. राजनीतिक
D. यांत्रिक
उत्तर: B

150. भारतीय गणित की विरासत की विशेषता है:
A. अलगाव
B. नवाचार एवं निरंतरता
C. विकास का अभाव
D. केवल उधार ज्ञान
उत्तर: B

UNIT IV : □□□□□□□ □□□□ □□□□□□□न

(i) वैदिक साहित्य में अवलोकन: सूर्य, चंद्र, नक्षत्र, ग्रह

151. वैदिक साहित्य में सूर्य को कहा गया है:
A. सोम
B. सूर्य
C. अग्नि
D. वायु
उत्तर: B

152. वैदिक साहित्य में चंद्रमा को कहा जाता है:
A. इंद्र
B. वरुण
C. सोम
D. मित्र
उत्तर: C

153. ‘नक्षत्र’ शब्द का अर्थ है:
A. ग्रह

globalcodemaster.com

B. तारामंडल या चंद्र मंडल
C. धूमकेतु
D. उल्का
उत्तर: B

154. प्राचीन भारतीय खगोल में 'ग्रह' का अर्थ है:
A. तारा
B. उपग्रह
C. ग्रह
D. आकाशगंगा
उत्तर: C

155. पारंपरिक रूप से नक्षत्रों की संख्या मानी जाती है:
A. 12
B. 24
C. 27
D. 30
उत्तर: C

156. चंद्रमा का नक्षत्रों में भ्रमण मापा जाता था:
A. वर्ष
B. मास
C. दिन
D. शताब्दी
उत्तर: B

157. सूर्य संबंधित है:
A. चंद्र कैलेंडर से
B. सौर वर्ष से
C. नक्षत्र चक्र से
D. ग्रहण सिद्धांत से
उत्तर: B

158. वैदिक काल में अवलोकन मुख्यतः किए जाते थे:
A. दूरबीन से
B. नग्न आँखों से
C. उपग्रह से
D. कंप्यूटर से
उत्तर: B

globalcodemaster.com

159. प्राचीन भारत में खगोल विज्ञान को कहा जाता था:
A. ज्योतिष
B. गणित
C. आयुर्वेद
D. शिल्प
उत्तर: A

160. ऋग्वेद में उल्लेख मिलता है:
A. सूर्य ग्रहण का
B. आधुनिक दूरबीन का
C. अंतरिक्ष यात्रा का
D. कंप्यूटर का
उत्तर: A

(ii) समय, स्थान एवं दिशा का विज्ञान के रूप में खगोल

161. प्राचीन भारतीय खगोल विज्ञान सहायक था:
A. केवल व्यापार में
B. समय एवं ऋतु निर्धारण में
C. उद्योग में
D. युद्ध में
उत्तर: B

162. आकाशीय पिंडों से दिशा निर्धारण कहलाता है:
A. ज्यामिति
B. नौवहन
C. खगोल विज्ञान
D. केवल ज्योतिष
उत्तर: C

163. 'काल' शब्द का अर्थ है:
A. स्थान
B. समय
C. दिशा
D. दूरी
उत्तर: B

164. सूर्योदय और सूर्यास्त से निर्धारित होता है:
A. अक्षांश

globalcodemaster.com

B. देशांतर
C. दिन का समय
D. ग्रह का भार
उत्तर: C

165. ध्रुव तारा उपयोगी था:
A. समय निर्धारण में
B. दिशा निर्धारण में
C. ग्रहण में
D. ऋतु में
उत्तर: B

166. खगोल विज्ञान आवश्यक था:
A. धार्मिक अनुष्ठानों के लिए
B. उद्योग के लिए
C. राजनीति के लिए
D. युद्ध के लिए
उत्तर: A

167. छाया की माप से ज्ञात किया जाता था:
A. समय और दिशा
B. वर्षा
C. तापमान
D. आर्द्रता
उत्तर: A

168. शंकु (Gnomon) का उपयोग होता था:
A. ग्रहण मापने में
B. तारों की ऊँचाई मापने में
C. छाया की लंबाई मापने में
D. चंद्र चरण मापने में
उत्तर: C

169. विषुव (Equinox) का अर्थ है:
A. दिन-रात बराबर होना
B. चंद्र ग्रहण
C. सूर्य ग्रहण
D. धूमकेतु
उत्तर: A

globalcodemaster.com

170. खगोल विज्ञान जुड़ा हुआ था:
A. वास्तुकला से
B. पंचांग निर्माण से
C. चिकित्सा से
D. कविता से
उत्तर: B

(iii) आर्यभट्ट का ग्रह मॉडल एवं नीलकंठ का संशोधन

171. आर्यभट्ट ने कहा कि पृथ्वी:
A. स्थिर है
B. अपनी धुरी पर घूमती है
C. चंद्रमा के चारों ओर घूमती है
D. समतल है
उत्तर: B

172. आर्यभट्ट का ग्रह मॉडल वर्णित है:
A. लीलावती में
B. आर्यभटीय में
C. सूर्य सिद्धांत में
D. शुल्बसूत्र में
उत्तर: B

173. आर्यभट्ट ने ग्रहण को समझाया:
A. पौराणिक घटना
B. छाया के कारण
C. दैवी दंड
D. संयोगवश
उत्तर: B

174. नीलकंठ सोमयाजी संबंधित थे:
A. गुप्त काल से
B. केरल स्कूल से
C. मुगल काल से
D. औपनिवेशिक काल से
उत्तर: B

175. नीलकंठ ने संशोधन किया:
A. ग्रह गति अस्वीकार की

globalcodemaster.com

B. अर्ध-सूर्यकेंद्रित मॉडल प्रस्तावित किया
C. केवल भू-केंद्रित मॉडल रखा
D. खगोल त्याग दिया
उत्तर: B

176. केरल स्कूल ने सुधार किया:
A. ग्रह गणना में
B. चिकित्सा में
C. व्यापार में
D. कृषि में
उत्तर: A

177. आर्यभट्ट ने गणना की:
A. चंद्र मास की
B. सौर वर्ष की
C. शताब्दी की
D. ग्रहण चक्र की
उत्तर: B

178. नीलकंठ का ग्रंथ है:
A. तंत्रसंग्रह
B. तत्त्वचिंतामणि
C. आर्यभटीय
D. महाभाष्य
उत्तर: A

179. आर्यभट्ट के मॉडल की विशेषता थी:
A. पृथ्वी का घूर्णन
B. समतल पृथ्वी
C. केवल पौराणिक दृष्टिकोण
D. केवल ज्योतिष
उत्तर: A

180. केरल स्कूल के विचार समान हैं:
A. कोपरनिकस मॉडल से
B. न्यूटन के नियम से
C. आइंस्टीन सिद्धांत से
D. क्वांटम सिद्धांत से
उत्तर: A

globalcodemaster.com

(iv) भारतीय पंचांग, विषुव एवं अयनांत

181. भारतीय सौर कैलेंडर आधारित है:
A. चंद्रमा पर
B. सूर्य की गति पर
C. नक्षत्र पर
D. ग्रहण पर
उत्तर: B

182. चंद्र कैलेंडर आधारित है:
A. सूर्य पर
B. चंद्र चरणों पर
C. नक्षत्र पर
D. धूमकेतु पर
उत्तर: B

183. विषुव तब होता है जब:
A. दिन बड़ा
B. रात बड़ी
C. दिन-रात समान
D. ग्रहण हो
उत्तर: C

184. अयनांत (Solstice) का अर्थ है:
A. दिन-रात समान
B. सबसे लंबा या छोटा दिन
C. चंद्र ग्रहण
D. उल्का वर्षा
उत्तर: B

185. मकर संक्रांति दर्शाती है:
A. सूर्य ग्रहण
B. सूर्य का मकर राशि में प्रवेश
C. पूर्णिमा
D. अमावस्या
उत्तर: B

186. हिंदू पंचांग है:
A. सौर
B. चंद्र

globalcodemaster.com

C. सौर-चंद्र (लूनी-सोलर)
D. ग्रेगोरियन
उत्तर: C

187. पंचांग में होते हैं:
A. पाँच अंग
B. छह अंग
C. सात अंग
D. आठ अंग
उत्तर: A

188. तिथि की गणना आधारित है:
A. सूर्य की स्थिति पर
B. चंद्रमा की स्थिति पर
C. तारों पर
D. धूमकेतु पर
उत्तर: B

189. उत्तरायण का संबंध है:
A. सूर्य की उत्तर दिशा में गति
B. चंद्र गति
C. ग्रहण
D. दिन-रात समान
उत्तर: A

190. दक्षिणायन का संबंध है:
A. सूर्य की दक्षिण दिशा में गति
B. चंद्र ग्रहण
C. सबसे छोटा दिन
D. सबसे लंबी रात
उत्तर: A

(v) अवलोकन, ग्रहण, उपकरण एवं 18–19वीं शताब्दी का पुनरुद्धार

191. सूर्य ग्रहण तब होता है जब:
A. पृथ्वी सूर्य और चंद्र के बीच
B. चंद्र सूर्य और पृथ्वी के बीच

globalcodemaster.com

C. सूर्य अदृश्य
D. तारे सूर्य ढकें
उत्तर: B

192. चंद्र ग्रहण तब होता है जब:
A. चंद्र सूर्य ढके
B. पृथ्वी सूर्य और चंद्र के बीच
C. सूर्य चंद्र ढके
D. धूमकेतु ढके
उत्तर: B

193. प्राचीन उपकरणों में शामिल था:
A. दूरबीन
B. शंकु
C. सूक्ष्मदर्शी
D. रडार
उत्तर: B

194. जंतर मंतर का निर्माण किया:
A. अकबर
B. जयसिंह द्वितीय
C. शिवाजी
D. अशोक
उत्तर: B

195. जंतर मंतर स्थित है:
A. दिल्ली और जयपुर
B. मुंबई
C. चेन्नई
D. कोलकाता
उत्तर: A

196. 18वीं शताब्दी का पुनरुद्धार दर्शाता है:
A. वेधशालाओं का निर्माण
B. अध्ययन का त्याग
C. केवल पौराणिक ध्यान
D. व्यापार विस्तार
उत्तर: A

197. वेधशालाओं का उपयोग था:
A. ग्रहों की स्थिति मापने में

globalcodemaster.com

B. वर्षा मापने में
C. तापमान मापने में
D. हवा मापने में
उत्तर: A

198. सम्राट यंत्र उपयोगी है:
A. समय मापन में
B. दूरी मापन में
C. भार मापन में
D. गति मापन में
उत्तर: A

199. 18–19वीं शताब्दी में पुनरुद्धार का कारण था:
A. वैज्ञानिक सुधार
B. राजनीतिक पतन
C. कृषि
D. युद्ध
उत्तर: A

200. भारतीय खगोल विज्ञान की विशेषता है:
A. केवल पौराणिकता
B. अवलोकन एवं गणितीय परंपरा
C. गणना का अभाव
D. विज्ञान से अलगाव
उत्तर: B

UNIT V : □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□□□□ (□□□□□□□□)

(i) आयुर्वेद की वैदिक जड़ें

201. आयुर्वेद को पारंपरिक रूप से किस वेद का उपवेद माना जाता है?
A. ऋग्वेद
B. सामवेद
C. यजुर्वेद
D. अथर्ववेद
उत्तर: D

globalcodemaster.com

202. ‘आयुर्वेद’ शब्द का अर्थ है:
A. पौधों का विज्ञान
B. जीवन का ज्ञान
C. शरीर का अध्ययन
D. शल्य चिकित्सा का विज्ञान
उत्तर: B

203. प्रारंभिक उपचार पद्धतियों का उल्लेख मिलता है:
A. अर्थशास्त्र में
B. अथर्ववेद में
C. रामायण में
D. मनुस्मृति में
उत्तर: B

204. आयुर्वेद बल देता है:
A. शरीर और मशीन पर
B. शरीर, मन और आत्मा के संतुलन पर
C. राजनीति पर
D. व्यापार पर
उत्तर: B

205. आयुर्वेद से संबंधित दिव्य वैद्य माने जाते हैं:
A. अग्नि
B. धन्वंतरि
C. इंद्र
D. वरुण
उत्तर: B

206. आयुर्वेद मुख्यतः आधारित है:
A. रासायनिक दवाओं पर
B. प्राकृतिक एवं समग्र सिद्धांतों पर
C. केवल शल्य चिकित्सा पर
D. आधुनिक प्रयोगशालाओं पर
उत्तर: B

207. आयुर्वेद का मुख्य उद्देश्य है:
A. धन
B. केवल रोग
C. स्वास्थ्य एवं दीर्घायु
D. शक्ति
उत्तर: C

globalcodemaster.com

208. आयुर्वेद में स्वास्थ्य का अर्थ है:
A. केवल रोग का अभाव
B. शरीर एवं मन का संतुलन
C. केवल शारीरिक बल
D. सामाजिक स्थिति
उत्तर: B

209. आयुर्वेद की उत्पत्ति हुई:
A. मध्यकालीन यूरोप में
B. प्राचीन भारत में
C. चीन में
D. अरब में
उत्तर: B

210. आयुर्वेद का दार्शनिक आधार है:
A. सांख्य दर्शन
B. मार्क्सवाद
C. पूंजीवाद
D. अस्तित्ववाद
उत्तर: A

(ii) त्रिदोष सिद्धांत, पंचमहाभूत, सप्त धातु, अग्नि

211. त्रिदोष सिद्धांत में शामिल हैं:
A. रक्त, अस्थि, मांस
B. वात, पित्त, कफ
C. वायु, जल, अग्नि
D. त्वचा, नस, वसा
उत्तर: B

212. वात संबंधित है:
A. जल से
B. वायु एवं गति से
C. अग्नि से
D. पृथ्वी से
उत्तर: B

213. पित्त का संबंध है:
A. शीतलता से

globalcodemaster.com

B. उष्णता एवं पाचन से
C. स्थिरता से
D. संरचना से
उत्तर: B

214. कफ का संबंध है:
A. गति से
B. पाचन से
C. स्थिरता एवं स्निग्धता से
D. उष्णता से
उत्तर: C

215. पंचमहाभूत का अर्थ है:
A. पाँच रोग
B. पाँच तत्व
C. पाँच अंग
D. पाँच औषधियाँ
उत्तर: B

216. पंचमहाभूत हैं:
A. पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश
B. अग्नि, जल, मिट्टी, गैस, धातु
C. रक्त, अस्थि, वसा, त्वचा, मांस
D. सूर्य, चंद्र, पृथ्वी, आकाश, वायु
उत्तर: A

217. सप्त धातु हैं:
A. सात ऊतक
B. सात अस्थियाँ
C. सात जड़ी-बूटियाँ
D. सात अंग
उत्तर: A

218. आयुर्वेद में 'अग्नि' का अर्थ है:
A. यज्ञ अग्नि
B. पाचन एवं चयापचय शक्ति
C. सूर्य
D. प्रकाश
उत्तर: B

globalcodemaster.com

219. संतुलित अग्नि से होता है:
A. रोग
B. खराब पाचन
C. उत्तम स्वास्थ्य
D. कमजोरी
उत्तर: C

220. दोषों का असंतुलन उत्पन्न करता है:
A. धन
B. रोग
C. सुख
D. शक्ति
उत्तर: B

(iii) स्वास्थ्य, रोग, दिनचर्या एवं ऋतुचर्या

221. आयुर्वेद में स्वास्थ्य की परिभाषा में शामिल हैं:
A. केवल दोष
B. दोष, धातु और अग्नि का संतुलन
C. केवल मांसपेशियाँ
D. केवल अस्थियाँ
उत्तर: B

222. दिनचर्या का अर्थ है:
A. ऋतु आधारित नियम
B. दैनिक दिनचर्या
C. शल्य चिकित्सा
D. ध्यान
उत्तर: B

223. ऋतुचर्या का अर्थ है:
A. दैनिक आदतें
B. ऋतु के अनुसार जीवन पद्धति
C. शल्य चिकित्सा
D. व्यायाम
उत्तर: B

224. आयुर्वेद के अनुसार रोग का कारण है:
A. केवल संक्रमण

globalcodemaster.com

B. दोषों का असंतुलन
C. भाग्य
D. जलवायु
उत्तर: B

225. पर्याप्त नींद मानी जाती है:
A. अनावश्यक
B. स्वास्थ्य के लिए आवश्यक
C. हानिकारक
D. वैकल्पिक
उत्तर: B

226. योग आयुर्वेद का पूरक है क्योंकि यह:
A. असंतुलन बढ़ाता है
B. शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य बढ़ाता है
C. रोग उत्पन्न करता है
D. आहार की उपेक्षा करता है
उत्तर: B

227. आयुर्वेद में रोग-निवारण का प्रमुख साधन है:
A. केवल शल्य चिकित्सा
B. जीवनशैली प्रबंधन
C. रासायनिक दवाएँ
D. मशीनें
उत्तर: B

228. ऋतुचर्या सहायक है:
A. जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन में
B. राजनीति में
C. व्यापार में
D. युद्ध में
उत्तर: A

229. आयुर्वेद आहार निर्धारित करता है:
A. दोष प्रकृति के अनुसार
B. सामाजिक स्थिति के अनुसार
C. धन के अनुसार
D. आयु के अनुसार ही
उत्तर: A

globalcodemaster.com

230. मानसिक स्वास्थ्य को माना गया है:
A. केवल शारीरिक स्वास्थ्य का भाग
B. संपूर्ण स्वास्थ्य का भाग
C. सामाजिक जीवन का भाग
D. धन का भाग
उत्तर: B

(iv) प्राचीन शल्य चिकित्सा: मोतियाबिंद, प्लास्टिक सर्जरी

231. प्राचीन भारतीय शल्य चिकित्सा के जनक माने जाते हैं:
A. चरक
B. सुश्रुत
C. पतंजलि
D. नागार्जुन
उत्तर: B

232. सुश्रुत संहिता मुख्यतः संबंधित है:
A. औषधि विज्ञान से
B. शल्य चिकित्सा से
C. व्याकरण से
D. खगोल से
उत्तर: B

233. मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा का वर्णन मिलता है:
A. चरक संहिता में
B. सुश्रुत संहिता में
C. वेदों में
D. अर्थशास्त्र में
उत्तर: B

234. प्लास्टिक सर्जरी का ज्ञान था:
A. प्राचीन भारत में
B. केवल आधुनिक यूरोप में
C. चीन में
D. अरब में
उत्तर: A

235. नाक पुनर्निर्माण (राइनोप्लास्टी) का वर्णन किया:
A. चरक ने

globalcodemaster.com

B. सुश्रुत ने
C. आर्यभट्ट ने
D. भास्कर ने
उत्तर: B

236. सुश्रुत संहिता में शल्य उपकरणों का वर्णन है:
A. बहुत कम
B. विस्तृत एवं अनेक
C. नहीं
D. आयातित
उत्तर: B

237. सुश्रुत ने बल दिया:
A. शरीर रचना ज्ञान पर
B. राजनीति पर
C. व्यापार पर
D. खगोल पर
उत्तर: A

238. विच्छेदन (Dissection) का अभ्यास किया जाता था:
A. केवल अनुष्ठान हेतु
B. शरीर रचना समझने हेतु
C. पूजा हेतु
D. व्यापार हेतु
उत्तर: B

239. प्राचीन शल्य चिकित्सा में उपचार होता था:
A. अस्थि भंग (Fracture) का
B. व्याकरण का
C. ज्योतिष का
D. संगीत का
उत्तर: A

240. सुश्रुत को कहा जाता है:
A. शल्य चिकित्सा का जनक
B. योग का जनक
C. व्याकरण का जनक
D. गणित का जनक
उत्तर: A

globalcodemaster.com

(v) ग्रंथ: चरक संहिता, सुश्रुत संहिता एवं आधुनिक प्रासंगिकता

241. चरक संहिता मुख्यतः संबंधित है:
A. शल्य चिकित्सा
B. आंतरिक चिकित्सा
C. व्याकरण
D. खगोल
उत्तर: B

242. चरक ने बल दिया:
A. रोग-निवारण पर
B. युद्ध पर
C. व्यापार पर
D. राजनीति पर
उत्तर: A

243. सुश्रुत संहिता में वर्णित हैं:
A. केवल जड़ी-बूटियाँ
B. शल्य तकनीकें
C. व्याकरण नियम
D. पंचांग
उत्तर: B

244. आयुर्वेद में रोग वर्गीकरण आधारित है:
A. दोष असंतुलन पर
B. धन पर
C. जलवायु पर
D. सामाजिक स्थिति पर
उत्तर: A

245. आयुर्वेद में रोग प्रतिरोधक क्षमता को कहा जाता है:
A. अग्नि
B. ओज
C. दोष
D. धातु
उत्तर: B

246. आयुर्वेद की शोधन चिकित्सा कहलाती है:
A. योग
B. पंचकर्म

globalcodemaster.com

C. शल्य
D. उपवास
उत्तर: B

247. आयुर्वेद के आधुनिक पुनरुद्धार में शामिल है:
A. शोध संस्थान
B. अध्ययन त्याग
C. केवल पौराणिक दृष्टिकोण
D. शिक्षा का अभाव
उत्तर: A

248. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है:
A. 1 जनवरी
B. 21 जून
C. 15 अगस्त
D. 2 अक्टूबर
उत्तर: B

249. आज आयुर्वेद को माना जाता है:
A. केवल वैकल्पिक पद्धति
B. पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली
C. अवैज्ञानिक
D. अप्रासंगिक
उत्तर: B

250. आधुनिक समय में आयुर्वेद की प्रासंगिकता है:
A. समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण
B. राजनीतिक व्यवस्था
C. औद्योगिक विकास
D. व्यापार
उत्तर: A

UNIT VI : □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□ □□□□ □□□□ँ

(i) स्थापत्य वेद एवं नगर नियोजन (सिंधु घाटी, जयपुर)

globalcodemaster.com

251. स्थापत्य वेद का संबंध है:
A. चिकित्सा से
B. वास्तुकला एवं निर्माण से
C. खगोल विज्ञान से
D. व्याकरण से
उत्तर: B

252. सिंधु घाटी सभ्यता प्रसिद्ध है:
A. अव्यवस्थित नगरों के लिए
B. सुव्यवस्थित नगर नियोजन के लिए
C. वन बस्तियों के लिए
D. घुमंतू जीवन के लिए
उत्तर: B

253. हड़प्पा और मोहनजोदड़ो में पाया गया:
A. अव्यवस्थित सड़कें
B. ग्रिड पद्धति पर आधारित सड़कें
C. केवल गोल सड़कें
D. जल निकासी का अभाव
उत्तर: B

254. सिंधु नगरों की प्रमुख विशेषता थी:
A. खराब स्वच्छता
B. उन्नत जल निकासी व्यवस्था
C. केवल लकड़ी के घर
D. कुओं का अभाव
उत्तर: B

255. जयपुर नगर की योजना बनाई थी:
A. राजा मानसिंह
B. महाराजा जयसिंह द्वितीय
C. अकबर
D. शिवाजी
उत्तर: B

256. जयपुर का नगर नियोजन आधारित था:
A. अव्यवस्थित योजना पर
B. वास्तु शास्त्र के सिद्धांतों पर
C. केवल यूरोपीय मॉडल पर
D. केवल आधुनिक इंजीनियरिंग पर
उत्तर: B

globalcodemaster.com

257. 'वास्तु' का संबंध है:
A. संगीत से
B. वास्तुकला एवं स्थानिक संतुलन से
C. शल्य चिकित्सा से
D. गणित से
उत्तर: B

258. 'महान स्नानागार' स्थित है:
A. हड़प्पा में
B. मोहनजोदड़ो में
C. लोथल में
D. धोलावीरा में
उत्तर: B

259. सिंधु घाटी के घर बनाए जाते थे:
A. पत्थर से
B. लकड़ी से
C. पकी हुई ईंटों से
D. केवल मिट्टी से
उत्तर: C

260. प्राचीन भारत का नगर नियोजन था:
A. अव्यवस्थित
B. वैज्ञानिक एवं सुव्यवस्थित
C. अलग-थलग
D. अस्थायी
उत्तर: B

(ii) मंदिर वास्तुकला में प्रतीकवाद

261. उत्तर भारत में मंदिर का शिखर कहलाता है:
A. गोपुरम
B. शिखर
C. मंडप
D. विमान
उत्तर: B

262. दक्षिण भारत में मंदिर का ऊँचा द्वार कहलाता है:
A. शिखर

globalcodemaster.com

B. मंडप
C. गोपुरम
D. सभा
उत्तर: C

263. गर्भगृह का अर्थ है:
A. बाहरी प्रांगण
B. मुख्य पूजा कक्ष
C. प्रवेश द्वार
D. स्तंभ मंडप
उत्तर: B

264. मंदिर की संरचना प्रतीक है:
A. मेरु पर्वत का
B. नदी का
C. वन का
D. समुद्र का
उत्तर: A

265. मंडप का उपयोग होता है:
A. भोजन बनाने में
B. सभा या पूजा हेतु
C. भंडारण में
D. विश्राम में
उत्तर: B

266. मंदिर के शीर्ष पर कलश प्रतीक है:
A. धन का
B. पूर्णता एवं मंगल का
C. युद्ध का
D. कृषि का
उत्तर: B

267. अधिकांश मंदिरों का मुख होता है:
A. पश्चिम की ओर
B. उत्तर की ओर
C. पूर्व की ओर
D. दक्षिण की ओर
उत्तर: C

globalcodemaster.com

268. मंदिरों की मूर्तियाँ दर्शाती हैं:
A. केवल पशु
B. देवी-देवता एवं पौराणिक कथाएँ
C. राजनीतिक घटनाएँ
D. आधुनिक कला
उत्तर: B

269. द्रविड़ शैली विकसित हुई:
A. उत्तर भारत में
B. दक्षिण भारत में
C. पश्चिम भारत में
D. पूर्व भारत में
उत्तर: B

270. नागर शैली मुख्यतः पाई जाती है:
A. दक्षिण भारत में
B. उत्तर भारत में
C. केरल में
D. तमिलनाडु में
उत्तर: B

(iii) नाट्यशास्त्र एवं सौंदर्यशास्त्र

271. नाट्यशास्त्र के रचयिता हैं:
A. कालिदास
B. भरतमुनि
C. पाणिनि
D. पतंजलि
उत्तर: B

272. नाट्यशास्त्र संबंधित है:
A. वास्तुकला से
B. नाटक एवं प्रदर्शन कला से
C. चिकित्सा से
D. खगोल से
उत्तर: B

273. 'रस' का अर्थ है:
A. द्रव

globalcodemaster.com

B. सौंदर्यात्मक अनुभूति
C. संगीत
D. नृत्य
उत्तर: B

274. पारंपरिक रूप से रसों की संख्या है:
A. 5
B. 7
C. 8 या 9
D. 12
उत्तर: C

275. 'भाव' का अर्थ है:
A. वाद्य यंत्र
B. भावना
C. वास्तुकला
D. चित्रकला
उत्तर: B

276. नाट्यशास्त्र समाहित करता है:
A. नृत्य, संगीत एवं नाटक
B. केवल संगीत
C. केवल नृत्य
D. केवल अभिनय
उत्तर: A

277. अभिनय का अर्थ है:
A. गायन
B. अभिव्यक्ति
C. चित्रकला
D. मूर्तिकला
उत्तर: B

278. भारतीय सौंदर्यशास्त्र का आधार है:
A. रस सिद्धांत
B. ज्यामिति
C. आयुर्वेद
D. ज्योतिष
उत्तर: A

globalcodemaster.com

279. नाट्यशास्त्र का प्रभाव पड़ा:
A. भारतीय शास्त्रीय नृत्य पर
B. शल्य चिकित्सा पर
C. व्यापार पर
D. खगोल पर
उत्तर: A

280. भरतमुनि ने वर्णन किया:
A. मंदिर योजना
B. अभिनय तकनीक
C. गणितीय सूत्र
D. चिकित्सा सिद्धांत
उत्तर: B

(iv) भारतीय नृत्य, संगीत, मूर्तिकला एवं चित्रकला

281. भरतनाट्यम का उद्गम है:
A. केरल
B. तमिलनाडु
C. गुजरात
D. पंजाब
उत्तर: B

282. कथक संबंधित है:
A. उत्तर भारत से
B. दक्षिण भारत से
C. पूर्व भारत से
D. पश्चिम भारत से
उत्तर: A

283. ओडिसी नृत्य संबंधित है:
A. ओडिशा से
B. बंगाल से
C. असम से
D. बिहार से
उत्तर: A

284. हिंदुस्तानी संगीत विकसित हुआ:
A. उत्तर भारत में

globalcodemaster.com

B. दक्षिण भारत में
C. केरल में
D. तमिलनाडु में
उत्तर: A

285. कर्नाटक संगीत संबंधित है:
A. उत्तर भारत से
B. दक्षिण भारत से
C. पश्चिम भारत से
D. पूर्व भारत से
उत्तर: B

286. अजंता गुफाएँ प्रसिद्ध हैं:
A. मूर्तिकला के लिए
B. चित्रकला के लिए
C. संगीत के लिए
D. नृत्य के लिए
उत्तर: B

287. भारतीय शास्त्रीय मूर्तिकला दर्शाती है:
A. केवल दैनिक जीवन
B. देवी-देवता एवं पौराणिक विषय
C. राजनीतिक नेता
D. आधुनिक कला
उत्तर: B

288. राग का अर्थ है:
A. वाद्य यंत्र
B. सुरों की संरचना
C. नृत्य शैली
D. मूर्तिकला
उत्तर: B

289. ताल का संबंध है:
A. स्वर से
B. लय से
C. चित्रकला से
D. वास्तुकला से
उत्तर: B

globalcodemaster.com

290. नाट्य परंपरा जुड़ी है:
A. केवल मनोरंजन से
B. आध्यात्मिक अभिव्यक्ति से
C. राजनीति से
D. व्यापार से
उत्तर: B

(v) शास्त्रीय वाद्य एवं क्षेत्रीय कला परंपराएँ

291. वीणा है:
A. वायु वाद्य
B. तंत्री वाद्य
C. ताल वाद्य
D. धातु वाद्य
उत्तर: B

292. तबला है:
A. तंत्री वाद्य
B. वायु वाद्य
C. ताल वाद्य
D. इलेक्ट्रॉनिक वाद्य
उत्तर: C

293. सितार है:
A. ताल वाद्य
B. तंत्री वाद्य
C. वायु वाद्य
D. धातु वाद्य
उत्तर: B

294. मृदंगम उपयोग होता है:
A. हिंदुस्तानी संगीत में
B. कर्नाटक संगीत में
C. पश्चिमी संगीत में
D. केवल लोक संगीत में
उत्तर: B

295. बांसुरी है:
A. वायु वाद्य

globalcodemaster.com

B. तंत्री वाद्य
C. ताल वाद्य
D. इलेक्ट्रॉनिक वाद्य
उत्तर: A

296. मुगल चित्रकला प्रसिद्ध है:
A. अमूर्त कला
B. लघु चित्रों के लिए
C. केवल मूर्तिकला
D. केवल वास्तुकला
उत्तर: B

297. बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट विकसित हुआ:
A. 10वीं शताब्दी में
B. 19वीं–20वीं शताब्दी में
C. प्राचीन काल में
D. मध्यकाल में
उत्तर: B

298. क्षेत्रीय कला विद्यालय दर्शाते हैं:
A. एकरूप शैली
B. स्थानीय संस्कृति एवं परंपरा
C. केवल विदेशी प्रभाव
D. पहचान का अभाव
उत्तर: B

299. ललित कलाओं के आधुनिक पुनरुद्धार में शामिल है:
A. कला संस्थान एवं उत्सव
B. परित्याग
C. शिक्षा का अभाव
D. अलगाव
उत्तर: A

300. भारतीय वास्तुकला एवं ललित कलाओं की विशेषता है:
A. प्रतीकवाद का अभाव
B. आध्यात्मिकता एवं सौंदर्य का समन्वय
C. संस्कृति से अलगाव
D. केवल सजावटी उद्देश्य
उत्तर: B

globalcodemaster.com